



पूज्य गणिनी आर्यिका रत्न शुभमति माताजी दश लक्षण, षोडशकारण, पंचमेरू, अनंतं व्रत, रत्नत्रय आदि व्रत करके ३२, १६, १०, ५, ३, १ उपवास, एकाशन की तपस्या करने वाले सभी माताजी, क्षुल्लिकाजी, ब्रह्मचारीजी, श्रावक और श्राविकाओं को पारणा कराते हुए पूज्य गुरुमां.....

